Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MAJY-204

संहिता स्कन्ध

एम0ए0 ज्येातिष (MAJY)

द्वितीय वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. वराहमिहिर के अनुसार दैवज्ञ के लक्षणों का वर्णन करे ?

P.T.O.

Q.2. नारदसंहिता के अनुसार ग्रहचार का विवेचन कीजिये?

Q.3. वृष्टि विज्ञान का सविस्तार वर्णन करें ?

Q.4. प्राचीन भारतीय वृष्टिविज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को प्रतिपादित करें?

Q.5. मेघो के गर्भलक्षणों का परिचय दीजिये ?

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. सूर्य व चन्द्र का वर्ष फल विचार लिखिये?

Q.2. कृतिका से मघा नक्षत्र तक के गत पदार्थो का विश्लेषण कीजिये?

Q.3. वृष्टिज्ञान के शास्त्रीय आधार क्या है ? निरूपित करें।

Q.4. मेघों के विशिष्ट गुणों का परिचय दीजिये?

Q.5. मेघों के गर्भकाल को निरूपित कीजिये?

Q.6. वृष्टि के प्रकारों का वर्णन करें?

Q.7. नारदसंहिता के अनुसार गन्धर्व नगर का लक्षण लिखिये?

Q.8. दकार्गल से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिये।

****